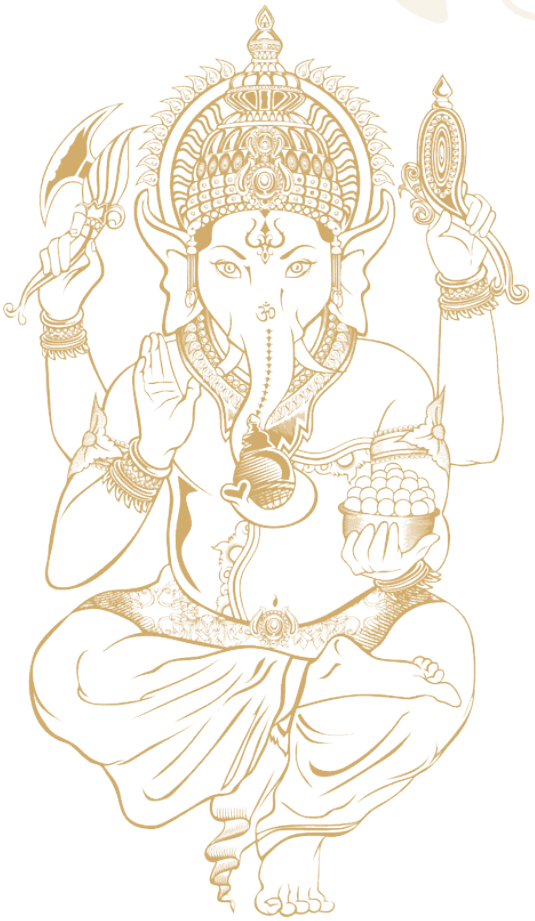

Mr.

21 Aug 1987

09:50 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119438203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/08/1987**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**09:50:00 घंटे**
इष्ट	09:52:08 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:28:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:17 घंटे
साम्पातिक काल	07:24:43 घंटे
सूर्योदय	05:53:08 घंटे
सूर्यास्त	18:55:09 घंटे
दिनमान	13:02:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:54:49 सिंह
लग्न के अंश	24:55:36 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	24:55:36	315:29:00	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
सूर्य			सिंह	03:54:49	00:57:47	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	27:36:41	11:50:54	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	सिंह	05:16:05	00:38:10	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	सिंह	04:53:36	01:59:03	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	06:02:37	00:00:16	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	03:20:26	01:14:16	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	20:51:07	00:00:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	09:12:30	00:05:57	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	09:12:30	00:05:57	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	29:05:20	00:00:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	11:44:24	00:00:50	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	13:47:26	00:01:08	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	25:53:04	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:04

लग्न-चलित

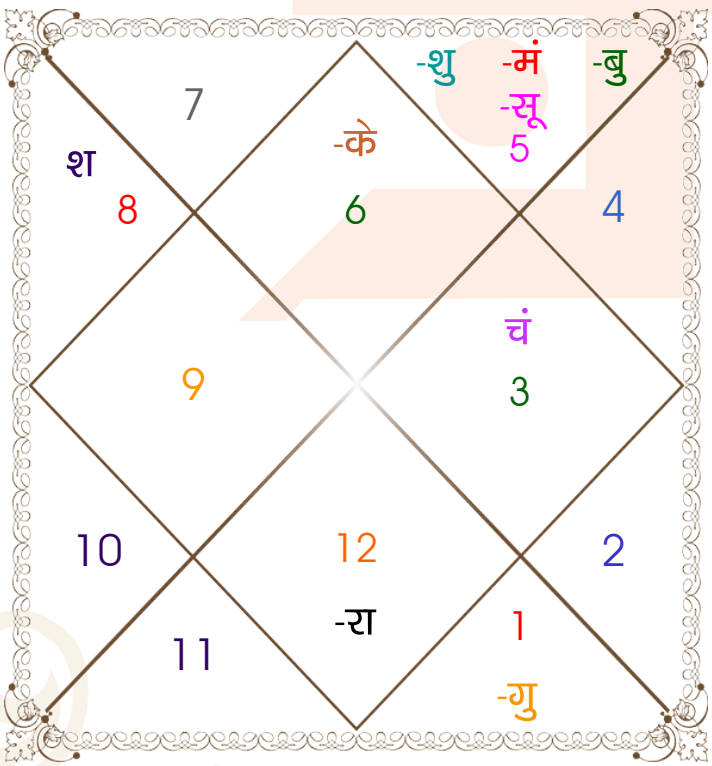

चन्द्र कुंडली

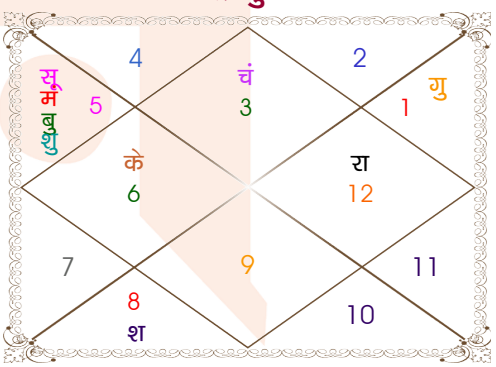

नवमांश कुंडली

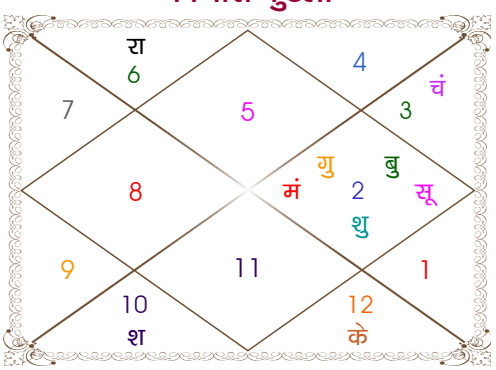

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 10 मास 12 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/08/1987		03/07/1994		03/07/2013		03/07/2030		03/07/2037	
03/07/1994		03/07/2013		03/07/2030		03/07/2037		03/07/2057	
	00/00/0000	शनि	06/07/1997	बुध	29/11/2015	केतु	29/11/2030	शुक्र	01/11/2040
	00/00/0000	बुध	15/03/2000	केतु	25/11/2016	शुक्र	29/01/2032	सूर्य	01/11/2041
	00/00/0000	केतु	24/04/2001	शुक्र	26/09/2019	सूर्य	05/06/2032	चंद्र	03/07/2043
	21/08/1987	शुक्र	23/06/2004	सूर्य	02/08/2020	चंद्र	04/01/2033	मंगल	01/09/2044
शुक्र	13/01/1989	सूर्य	05/06/2005	चंद्र	01/01/2022	मंगल	02/06/2033	राहु	02/09/2047
सूर्य	01/11/1989	चंद्र	04/01/2007	मंगल	29/12/2022	राहु	21/06/2034	गुरु	03/05/2050
चंद्र	03/03/1991	मंगल	13/02/2008	राहु	18/07/2025	गुरु	28/05/2035	शनि	03/07/2053
मंगल	07/02/1992	राहु	20/12/2010	गुरु	24/10/2027	शनि	05/07/2036	बुध	02/05/2056
राहु	03/07/1994	गुरु	03/07/2013	शनि	03/07/2030	बुध	03/07/2037	केतु	03/07/2057

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/07/2057		03/07/2063		03/07/2073		02/07/2080		03/07/2098	
03/07/2063		03/07/2073		02/07/2080		03/07/2098		00/00/0000	
सूर्य	20/10/2057	चंद्र	02/05/2064	मंगल	29/11/2073	राहु	15/03/2083	गुरु	21/08/2100
चंद्र	21/04/2058	मंगल	02/12/2064	राहु	17/12/2074	गुरु	08/08/2085	शनि	04/03/2103
मंगल	27/08/2058	राहु	02/06/2066	गुरु	23/11/2075	शनि	14/06/2088	बुध	09/06/2105
राहु	21/07/2059	गुरु	02/10/2067	शनि	01/01/2077	बुध	01/01/2091	केतु	16/05/2106
गुरु	09/05/2060	शनि	03/05/2069	बुध	29/12/2077	केतु	20/01/2092	शुक्र	22/08/2107
शनि	21/04/2061	बुध	02/10/2070	केतु	27/05/2078	शुक्र	20/01/2095		00/00/0000
बुध	25/02/2062	केतु	03/05/2071	शुक्र	27/07/2079	सूर्य	14/12/2095		00/00/0000
केतु	03/07/2062	शुक्र	01/01/2073	सूर्य	02/12/2079	चंद्र	14/06/2097		00/00/0000
शुक्र	03/07/2063	सूर्य	03/07/2073	चंद्र	02/07/2080	मंगल	03/07/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 10 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।